भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2058
दिनांक 31 जुलाई 2025

कर्नाटक में सीएनजी आपूर्ति की कमी

†2058 **डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन:**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कर्नाटक के दावणगेरे जिले में संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की आपूर्ति की कमी है, जिसके कारण ऑटो-रिक्शा चालकों को सीएनजी पंपों के सामने लंबी कतारों में इंतज़ार करना पड़ता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या देश भर में सीएनजी से चलने वाले वाहनों की बढ़ती संख्या की तुलना में सीएनजी पंपों की कमी हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या कर्नाटक के दावणगेरे जिले में सीएनजी पंपों की संख्या में कोई वृद्धि होगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशनों की स्थापना करना, नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का एक हिस्सा है और इसे न्यूनतम् कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) के अनुसार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियमक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा प्राधिकृत कम्पनियों द्वारा किया जाता है। एमडब्ल्यूपी के अनुसार, प्राधिकृत कम्पनियाँ वर्ष 2034 तक पूरे देश में 18,336 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के लिए कटिबद्ध है। दिनांक 31.05.2025 की स्थिति के अनुसार, प्राधिकृत कम्पनियों ने 5176 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के यथानुपाती लक्ष्य के सापेक्ष 8000 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित किए हैं।

पीएनजीआरबी ने चित्रदुर्ग एवं देवेनगिरि जिले के भौगोलिक क्षेत्र (जीए) में नगर गैस वितरण नेटवर्क का विकास करने के लिए यूनीसन इंवॉयरो प्राइवेट लिमिटेड (यूईपीएल) को प्राधिकृत किया है। प्राधिकृत कम्पनी से वर्ष 2028 तक जीए में 42 सीएनजी स्टेशन स्थापित करना अपेक्षित है। दिनांक 31.5.2025 की स्थिति के अनुसार, प्राधिकृत कम्पनी ने जीए में 23 सीएनजी स्टेशन के यथानुपाती लक्ष्य के सापेक्ष 23 सीएनजी स्टेशन स्थापित किए हैं।

यूईपीएल, सीएनजी (टी) की माँग को पूरा करने के लिए देवेनगिरि जिले में 10 सीएनजी खुदरा बिक्री केन्द्रों (आरओज) का प्रचालन करती है। जून 2025 की स्थिति के अनुसार, देवेनगिरि में कुल 6177 सीएनजी वाहन पंजीकृत हैं (स्रोत - वाहन पोर्टल)। यूईपीएल ने बताया है कि आज की तिथि के अनुसार देवेनगिरि जिले में सीएनजी की बिक्री लगभग 11,000 किलोग्राम/दिवस है और जिले में सीएनजी आपूर्ति में कोई कमी नहीं देखी गई है। इसके अलावा, देवेनगिरि जिले में सीएनजी वाहनों की तुलना में सीएनजी पंप पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं क्योंकि यूईपीएल की संपीडन क्षमता 22,500 किलोग्राम/दिवस से अधिक है, जिसमें से 50% का उपयोग देवेनगिरि जिले में बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए किया जा रहा है। यूईपीएल ने बताया है कि वह अपने मुख्य स्टेशन पर संपीडन क्षमता में वृद्धि कर रहा है, जिससे क्षमता 29,200 किलोग्राम/दिवस तक बढ़ जाएगी। इसके अलावा, सीजीडी कम्पनी ने बताया है कि देवेनगिरि जिले में 3 नए सीएनजी आरओज निर्माणाधीन हैं। इसके साथ-साथ, यह कम्पनी अपने खुदरा बिक्री केन्द्रों पर सीएनजी अवसंरचना स्थापित करने की संभावना तलाशने के निमित्त तेल विपणन कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है।

सरकार ने सीएनजी (परिवहन)/पीएनजी (घरेलू) क्षेत्र को प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निमित्त विभिन्न उपाय किए हैं, जिसमें सीएनजी (टी)/पीएनजी (डी) को प्राथमिकता के आधार पर घरेलू गैस का आवंटन करना, सीएनजी (टी)/पीएनजी (डी) क्षेत्र की आवश्कता को पूरा करने के निमित्त गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से घरेलू गैस का विपथन करना, सीजीडी नेटवर्क का विस्तार करना, राष्ट्रीय गैस ग्रिड पाइपलाइन का विस्तार करना, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टर्मिनलों की स्थापना करना, जैव-सीएनजी को बढ़ावा देने के लिए किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प (सतत) पहल आदि शामिल हैं। सरकार ने गहरे समुद्री क्षेत्रों और अति-गहरे समुद्री क्षेत्रों तथा उच्च दाब/उच्च ताप वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैसों की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर सीएनजी (टी)/पीएनजी (डी) को करने के निमित्त अधिसूचना भी निर्गत की है।

इसके अलावा, सरकार कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर सीजीडी नेटवर्क की प्रगति की निगरानी करती है। यदि कोई देरी या कमी होती है, तो पीएनजीआरबी कम्पनी को सुधारात्मक कार्रवाई करने की सलाह देता है। इसमें उन्हें मौजूदा नियमों के अन्तर्गत प्रगति समीक्षा बैठकों या वैधानिक सुनवाई के लिए बुलाना शामिल है, ताकि चुनौतियों पर चर्चा की जा सके और प्राधिकृत जीएज में उनके एमडब्ल्यूपी लक्ष्यों पर नए अद्यतन प्राप्त किए जा सकें।

*****